



कानपुर नगर एक्सप्रेस

महिलाओं को निशाना बनाकर घटना को अंजाम देने वाले तीन लुटेरे गिरफतार



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

शहर में धूम-धूम कर लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन शरियर लुटेरों को नौबता नुसिल ने दबोचा है। इन लुटेरों ने लगभग आठ अंजाम से अधिक घटनाओं को अपने द्वारा अंजाम देने की बात भी कबूल की है। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर आर.के. स्वर्णकर ने खुलासा और गिरफतारी करने वाली टीम को 50000 पुस्कार

वोटर चेतना अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर मतदाता बढ़ाने की अपील



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

भाजपा दक्षिण जिला इकाई के सभी 169 शक्ति केंद्रों पर रविवार को मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद वोटर चेतना अभियान की शुरूआत की गई। सांसद सचेत वर्षीय और वर्षांग जिलाध्य शिवराम सिंह ने ओमपुरा मंडल के सरस्वती विद्यालय शक्ति केंद्र में कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मंदी के मन की बात सुनी। कार्यक्रम सुनने के बाद सांसद और शिवराम सिंह द्वारा कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची वितरित कर सभी कार्यकर्ताओं

से वोटर चेतना अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर अधिक से अधिक मतदाता बढ़ाने की ओर गई। उन्होंने 26 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी नौजवानों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने और घर-घर कुंडी खरिदारीकर मतदाता छुंदे की बात कही। वही सांसद देवेंद्र सिंह भोले, विधायक महेश त्रिवेदी, एमप्लसी अरुण पाठक, धनुषनंद सिंह भद्रायिया, लॉक्स प्रमुख डॉ. विजय रत्नाल ने अपने अपने प्रभाव वाले शक्ति केंद्रों व विधानसभा अध्यक्ष संसदीय महाना ने अपने कैम्प कार्यकर्ताओं

पैरा एशियाई गेम्स के खिलाड़ियों ने 111 मेडल जीतकर रखा एक नया इतिहास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में रविवार को पैरा एशियाई गेम्स के खिलाड़ियों द्वारा 111 मेडल जीतकर एक नया इतिहास रच कर भारत का नाम रोशन करने पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने लोकतंत्र फरंगी वोकल का जिक्र करते हुए खरेशी वर्द्धनों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खाड़ी से जुड़े व रवदेश निर्मित तस्वीरों की खीरीदारी सिर्प त्याहारों पर न कर वर्तमान की बात कही। वही सांसद देवेंद्र सिंह भोले, विधायक महेश त्रिवेदी, एमप्लसी अरुण पाठक, धनुषनंद सिंह भद्रायिया, लॉक्स प्रमुख डॉ. विजय रत्नाल, मीडिय प्रभारी मनीष त्रिपाठी, शिवराम मिश्रा, अमित बाजपेई आदि मौजूद रहे।

में मन की बात सुनी। इस अवसर पर राम बहादुर यादव, जानु मिश्रा, जसविंदर सिंह, वंदन गुरु, अर्जुन बेरिया, राजनीति चौहान, मीडिय प्रभारी मनीष त्रिपाठी, शिवराम मिश्रा, अमित बाजपेई आदि मौजूद रहे।

इन आधा दर्जन घटनाओं को दिया था अंजाम

- दिनांक 30 - 9 - 2022 को सायं 6:30 बजे लगभग एलआईसी बौराहा नौबतस्ता के पास ई रिक्शा पर जाते व्यक्ति से लूट की घटना को अंजाम दिया था।
- दिनांक 4 - 10 - 2023 को प्रातः 6:00 बजे के आसपास रविदू नारू नौबतस्ता में एक घर के बाहर झांझ लगाती महिला से गले में पहनी धैन लूट ली थी।
- दिनांक 25 - 10 - 2023 को समय कारोबर लगभग 6:30 बजे ऐटोल पांप के सामने नारे के किनारे नौबतस्ता में खड़ी एक बुर्जुम महिला के पास रखे बैग को बूराहा था जिसमें चेन, अंगूठी रखित अन्य सामान भी था।
- दिनांक 26 - 4 - 2023 को समय 6:30 बजे लगभग चक्री क्षेत्र में श्याम नगर - रख्तौरी पर जाते

महिला के कंधे से बैग लूट लिया था।

● दिनांक 25 - 8 - 2023 को लगभग लाल बंगले से आगे आईटीआई कॉलेज के पास एक पैदल जाती महिला के गले से बैग लूट को अंजाम दिया था।

● दिनांक 8 - 10 - 2023 को समय लगभग 10:30 बजे मिलन हॉस्पिटल मार्केट जूरी के पास से एक व्यक्ति के साथ मोबाइल लूट करी थी।

● दिनांक 2 - 7 - 2023 को साउथ एक्स मॉल के सामने एक महिला से परस्पर छीना था।

इन सभी मामलों में आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों से मुक्तमें पंजीकृत हैं। बताते वह कि पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास है।

आरोपियों को गिरफतार करने वाली टीम

इन अपराधियों को चेंकिंग के दौरान पकड़ने वाली टीम में उनि. मोहम्मद अकरम मय उ.नि. सदाम खान, उ.नि. जयवीर सिंह, उ.नि. वेनत कुमार, उ.नि. प्रदीप कुमार सिरोही, उ.नि. राजेश कुमार, उ.नि. सदीप शर्मा, उ.नि. निशान कुमार, उ.नि. अंकुर सैन, ह.का. विकास चौहान, ह.का. हर्षगाविद सिंह, ह.का. विपिन कुमार, का. सोरभ पांडे शामिल रहे।

बड़ी-बड़ी घटनाओं को अंजाम देते

कीरीब आधा दर्जन लूट की बारदातों को अंजाम दिया है। इन लूटों को बताते वह कि पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास है।

कीरीब आधा दर्जन लूट की बारदातों को अंजाम दिया है। इन लूटों को बताते वह कि पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास है।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को किनारे संजय नगर वाहनों की चेंकिंग के दौरान उस समय की ओर से आ रहे थे।

गिरफतार किया गया है जब यह तीनों से ओडी लौटने को



सम्पादकीय

दिल्ली की जहरीली हवा में सांस लेना भी हुआ मुहाल

गायु प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों में गाड़ियों से निकला धुआ और धूल, औद्योगिक उत्सर्जन, भवन-निर्माण का धूल और कचरे को खुले में जलाने से और लैंडफिल से निकला धुआ मुख्य रूप से शामिल है। अब तक की समझ के मुताबिक, सर्दी की शुरुआत के साथ एक्यूआई में होने वाली गिरावट के मूल कारणों में शहर के अपने वायु प्रदूषण के स्रोत और स्थानीय मौसम की परिस्थितयों के अलावा पढ़ासी राज्यों मुख्य रूप से हरियाणा और पंजाब में धान की पराली जलाने से निकला धुआ भी शामिल है। दउअसल धान पश्चिमांतर राज्यों का प्राकृतिक फसल नहीं रहा है।

पि छले एक हफ्तों से, या यूँ कहें कि सर्दी की शुरुआत के साथ ही दिल्ली का वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) बढ़ता जा रहा है और 22 और 28 अक्टूबर को यह 300 के पार जा पहुंचा यानी 'खराब' से 'बहुत खराब' की श्रेणी में। कमांडेश्वर यही हाल दिल्ली राजधानी क्षेत्र के अन्य शहरों का भी है जिसमें ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गुरग्राम शामिल हैं। हवा की गति में कमी और पिरते तापमान के कारण एक्यूआई में और पिरावट अवश्यसंभावी है। दिल्ली पॉल्यूशन कंपनील कमिटी के मुताबिक वायु प्रदूषण की स्थिति नवंबर के मध्य तक अपने सबसे खराब स्तर पर होगी, यही समय पंजाब और हरियाणा में सबसे ज्यादा धून की पराली जलने का होता है। हालांकि, अभी तक पराली से निकलने वाले धूएं का दिल्ली के वायु प्रदूषण पर प्रभाव का कोई स्पष्ट आंकड़ा इस साल के लिए सामने नहीं आया है। पिछले एक दशक से दिल्ली सबसे प्रदूषित शहर का तमगा लेकर अपनी पहचान छुआता फिर रहा है। लाख प्रयास के बाद भी इसमें सुधार की कोई सम्भावना नहीं दिखती, धीरे-धीरे यही इस शहर की नियति बनती जा रही है। दिल्ली तो टोकियो के बाद दुनिया का सबसे बड़ा नगर क्षेत्र, भीड़-भाड़ वाला और प्रदूषित शहर बन गया है। सालाना औसत के हिसाब से भी देखें तो दिल्ली वायु प्रदूषण के लिहाज से विश्व का सबसे प्रदूषित शहर है, जहां सालाना औसत एक्यूआई 200 से ऊपर रहता है। बरसात के बाद तापमान में गिरावट के साथ ही दिल्ली की हवा जहरीली होती चली जाती है और लगभग तीस प्रतिशत लोग जहरीली हवा में सांस लेने को अभिशप हो जाते हैं एक अनुमान के मुताबिक ऐसी हवा में एक दिन सांस लेना दिन भर में बीस सिगरेट पीने के बराबर है। भारत के अन्य शहरों में भी पिछले दशक में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ी है, पर दिल्ली में यह विकराल होती चला गया। हाल ही में विश्व स्वास्थ संगठन और बॉस्टन स्थित हेल्प इफेक्ट इंस्टीट्यूट का दुनिया के क्रमशः 1650 और 7000 शहरों पर किये गए दो अलग-अलग अध्ययन में दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर सबसे खराब पाया गया। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय को टिप्पणी करनी पड़ी कि शहर की हालत नरक से भी खराब हो चुकी है। वायु प्रदूषण सूचकांक (0-500) वायु प्रदूषण के स्तर का सूचक है जिसके स्वास्थ्य पर प्रभाव के आधार पर पांच स्तरों में बांटा गया है: अच्छा (0-50), संतोषजनक (51-100), मध्यम (101-200), खराब (201-300), बहुत खराब (301-400) और खतरनाक (401 और उससे अधिक)। एक्यूआई की गणना आठ प्रदूषकों के आधार पर की जाती है, जिसमें कम से कम तीन की गणना जरूरी है, जिसमें कम से कम एक धूलकण (पार्टिक्यूलेट मैटर, पीएम 10 या पीएम 2.5) होना चाहिए। प्राकृतिक और ग्रामीण क्षेत्रों में एक्यूआई हवा में बड़े धूलकण यानी पीएम 10 और प्रदूषित क्षेत्रों और दिल्ली जैसे शहरों में हवा में सूखा धूलकण यानी पीएम 215 द्वारा निर्धारित होता है। हवा में पीएम 215 की बेताहशा बढ़ती मात्रा दिल्ली की हवा को स्वास्थ की दृष्टि से जहरीला बना देती है। दिल्ली की सालाना वायु प्रदूषण की स्थिति को मुख्य रूप से दो समय काल में बांटा जा सकता है, मार्च से सितम्बर तक और अक्टूबर से फरवरी तक। मार्च से सितम्बर में वायु प्रदूषण का स्तर अच्छा से मध्यम (200 तक) रहता है, वहीं जाड़े की शुरुआत के साथ एक्यूआई खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। 2016 में, जिसे लन्दन स्मॉग की तर्ज पर दिल्ली स्मॉग का नाम दिया गया है, में एक्यूआई का आंकड़ा 999 को भी पार कर चुका था।

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

ल को कंटोल



हाई कोलेस्ट्रॉल में कैसे करें धनिया के बीज का सेवन?: हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या में रोजाना धनिया के बीज के पानी का सेवन करना फायदेमंद होता है। सुबह खाली पेट इसका पानी पीने से नसों में जमा बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और शरीर को हेल्दी रखने में मदद मिलती है। इसे तैयार करने के लिए शाम में दो चम्पच धनिया के बीज एक बड़े गिलास पानी में भिंगो दो। सुबह इस पानी को छानकर पिएं। आप चाहें तो इसे ऊतालने के बाद छानकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। नियमित रूप से कुछ दिनों तक ऐसा करने से हाई कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलेगी। इसका सेवन करने से पहले किसी एक्सपर्ट या आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसके अलावा जीवनशैली में कुछ बदलाव करके आप कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रण में रख सकते हैं। इसके लिए आप रेयुलर एक्सरसाइज करें। इससे एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने और एलटीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद मिलती है। अगर आप शगब का सेवन करते हैं, तो इसे नियंत्रित करें। रोजाना हाई फाइबर फूड्स, सब्जियाँ और फलों का सेवन करें। हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण दिखने पर सबसे

चित्रकूट में
प्रधानमंत्री ने
तुलसी पीठ के
जगद्गुरु की तीन
पुस्तकें
अष्टाध्यार्य
भाष्य
रामानंदाचार्य
चरितम् और
भगवान् श्री
कृष्ण की
राष्ट्रलीला की
विमोचन किया।
प्रधानमंत्री ने
कहा कि इससे
भारत की ज्ञान
परंपरा और

वैचारिक भाव-भूमि के प्रसंग

कई फोटो अपने में बड़ा भाव और सदेश देने वाले होते हैं। चित्रकूट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जगतगुरु रामभद्राचार्य की भेट के चित्र ऐसे ही हैं। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी को श्रीराम मंदिर अयोध्या के लोकार्पण का आमंत्रण दिया गया। इसके बाद शुक्रवार को चित्रकूट में मोदी और रामभद्राचार्य की मुलाकात हुई। यह विलक्षण संयोग है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का पार्श्व प्रशस्त करने में इन दोनों महानुभावों का योगदान उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री ने रामभद्राचार्य की तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चित्रकूट की पावन और पुण्य भूमि पर मुझे दोबारा आने का अवसर मिला है। यह अलौकिक क्षेत्र है। इसके बारे में हमारे संतों ने कहा है कि चित्रकूट सब दिन बसत प्रभु सिया लखन समेत अर्थात् चित्रकूट में प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ नित्य निवास करते हैं। उहोंने चित्रकूट में कांच मंदिर (श्री रघुवीर मंदिर) में दर्शन-पूजन किया। प्रधानमंत्री ने नए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का शुभारंभ किया। चित्रकूट में अरविंद भाई मफतलाल की सौंवीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उन पर आधारित डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मानते हैं कि संस्कृत का परिपूर्ण व्याकरण निहित है। मात्र 14 महेश्वर सूत्रों पर आधारित यह भाषा शास्त्र और सहस्र की जननी रही है। भारत के सभी राष्ट्रीय आयाम में संस्कृत का योगदान है। हजारों साल पुराने गुलामी के दौर में भारत की संस्कृति और विरासत को नष्ट करने प्रयास किया गया। गुलामी की मानसिकता वालों का संस्कृत के प्रति वैर-भाव था। जबकि संस्कृत परंपराओं की भाषा है।

मंदिर के संबंध में 400 से अधिक प्रमाण सुप्रीम कोर्ट को दिए थे। उन्होंने प्राचीन ग्रंथों के प्रामाणिक उद्धरण प्रस्तुत किये थे। रामभद्राचार्य ने दावे के साथ कहा था कि वात्मीकि रामायण के बाल खंड के आठवें ल्लोक से श्रीराम जन्म के बारे में जानकारी शुरू होती है। यह सटीक प्रमाण है। इसके बाद स्कंद पुराण में राम जन्म स्थान के बारे में बताया गया है। राम जन्म स्थान से तीन सौ धनुष की दूरी पर सरयू माता बह रही हैं। एक धनुष चार हाथ का होता है। आज भी यदि नापा जाए तो जन्म स्थान से सरयू नदी उतनी ही दूरी पर बहती दिखेंगी। अथर्व वेद के दशम कांड के इकीसवें अनु वाक्य के द्वितीय मंत्र में स्पष्ट कहा गया है कि आठ चक्रों व नौ प्रमुख द्वार वाली श्री अयोध्या देवताओं की पुरी है। उसी अयोध्या में मंदिर महल है। उसमें परमात्मा स्वर्ग लोक से अवतरित हुए थे। क्रृष्णद के दशम मंडल में भी इसका प्रमाण है। तुलसी शतक में कहा यवनों ने राम जन्मभूमि के मंदिर को तोड़कर मस्जिद का ढांचा बनाया और बहुत से हिंदुओं को मार डाला। तुलसीदास ने तुलसी शतक में इस पर दुख भी प्रकट किया है। मंदिर तोड़े जाने के बाद भी हिंदू साधु रामलला की सेवा करते थे। इस पूरे प्रसंग से रामभद्राचार्य जी की विलक्षण प्रतिभा का अनुमान लगाया जा सकता है। उनका अध्ययन अद्भुत है। इसी के साथ वह समाज के कल्याण में भी समर्पित हैं। जिस शिशु की दो माह बाद ही नेत्र ज्योति चली जाए, उसके लिए जीवन अंधकारमय हो जाता है। लेकिन ऐसे अनेक विलक्षण लोग हैं, जिन्होंने इस अभाव को बाधक नहीं बनने दिया। प्रबल इच्छाशक्ति के साथ उन्होंने अभाव को प्रभाव में बदल दिया। आंखें न होने के बाबजूद अपना जीवन प्रकाशित किया, साथ में समाज को भी रोशनी दिखाई। रामभद्राचार्य ऐसी ही विभूति हैं। नेत्र ज्योति चली जाने से उनके परिवार में चिंता व निराशा थी।

आशंका थी। तब किसी ने यह कल्पना नहीं की होगी कि एक दिन यह बालक समाज को मार्ग दिखायेगा। श्रीराम भूमि पर उनके तरक अकाट्य थे। सभी लोग उनके अध्ययन व ज्ञान को देखकर हतप्रभ थे। भारतीय दर्शन व प्रज्ञा का चमत्कार प्रभावित करने आता था। ज्ञानवशु जीवन आलोकित हो जाता है। इसे प्रत्यक्ष देखा जा रहा था। अति विशाल भारतीय वैदिक वांग्मय के अलावा अन्य सभी ग्रन्थों की पृष्ठ संख्या तक उनकी स्मृति में थी। उन्होंने इस विलक्षण ज्ञान को अपने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज का भी वह अनवरत मार्गदर्शन कर रहे हैं। विद्या का सतत दान कर रहे हैं। वह विश्वविद्यालय के कूलाधिपति है। इस रूप में वह विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं। वह प्रभावी व ज्ञानवर्धक रामकथा के वाचक हैं। इस रूप में समाज को प्रभु राम की मर्यादा का सदेश देते हैं। वह तुलसीपीठ के संस्थापक और पीठाशीश्वर हैं। चित्रकूट स्थित इस संस्थान के माध्यम से केवल धार्मिक ही नहीं, सामाजिक सेवा के कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। वह चित्रकूट में जगदुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक कूलाधिपति हैं। यह तब है जब अभाव के कारण सत्रह वर्ष की उम्र तक उनको औपचारिक शिक्षा का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने कभी भी ब्रेल लिपि का उपयोग नहीं किया। सत्रह वर्ष की उम्र में ही उनके अनेक ग्रन्थ कंठस्थ हो गए थे। उनका बाईस भाषाओं पर

